



आरत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 279] नई दिल्ली, शुक्रवार, जून 2, 1978/ज्येष्ठ 12, 1900
 No. 279] NEW DELHI, FRIDAY, JUNE 2, 1978/JYAISTHA 12, 1900

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या की जाती है जिससे इक यह अलग संकलन के रूप में
 रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
 compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 2 जून, 1978

का. आ. 369 (अ).—मैं, मा. रामचन्द्रन, प्रशासक, स्वर्ण (नियंत्रण) अधिकारी, 1968 (1968 का 45) की धारा 31 के प्रथम परन्तुक के खण्ड (3), धारा 8 की उपधारा (6) और धारा 9 की उपधारा (2) के साथ पीठत धारा 115 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना संख्या का. आ. 290 (असा.), तारीख 29 अप्रैल, 1978 को अधिकान्त करते हुए, अपनी यह राय होने पर कि इसमें विनिर्दिष्ट भाषणों के वर्ग की विशेष भीरस्थितियों में यह अपीक्षित है :—

(1) भारतीय रिजर्व बैंक को मानक स्वर्ण छाड़ियों के रूप में प्राइमरी स्वर्ण का अनुज्ञाप्त व्यवहारियों को विक्रय करने, परीदान करने, उसे स्थानान्तरित करने या अन्यथा व्ययन के लिए प्राधिकृत करता हूँ, और

(2) भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा इस प्रकार वेचे गए स्वर्ण को क्य करने या अन्यथा अर्जित करने, स्वीकार करने या अन्यथा प्राप्त करने के लिए ऐसे अनुमति व्यवहारियों को पर्याधकृत करता है :

परन्तु अनुमति व्यवहारी, छपण (2) में निर्दिष्ट स्वर्ण को किसी अन्य अनुमति व्यवहारी को विक्रय नहीं करेगा और न ही उसका अन्यथा व्ययन करेगा लैंका वह—

(ख) गहनों अथवा वस्तुओं अथवा दोनों को बनाने, विनिर्माण करने, संधार करने अथवा मरम्मत करने के लिए ऐसे स्वर्ण का प्रयोग कर सकता है ;

(ग) गहनों अथवा वस्तुओं अथवा दोनों को बनाने, विनिर्माण करने, संधार करने अथवा मरम्मत करने के प्रथोजनार्थ किसी प्रभारित स्वर्णकार के, एक समय में ऐसे 100 ग्राम से अधिक स्वर्ण का विक्रय, परिदान अथवा अन्तरण कर सकता है ।

[संख्या 8/78/फा. सं. 131/21/78-स्वर्ण नि.-2]

मा. रामचन्द्रन, स्वर्ण नियंत्रण प्रशासक

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

ORDER

New Delhi, the 2nd June, 1978

S.O. 369(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 115, read with clause (iii) of the first proviso to section 31, sub-section (6) of section 8 and sub-section (2) of section 9 of the Gold (Control) Act, 1968 (45 of 1968), and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. S.O. 290(E), dated the 29th April, 1978, I, M. Ramachandran, Administrator, being of the opinion that special circumstances of the class of cases specified herein so require, hereby authorise—

(i) the Reserve Bank of India to sell, deliver, transfer, or otherwise dispose of, primary gold in the form of standard gold bars to licensed dealers; and

(ii) such licensed dealers to buy or otherwise acquire accept or otherwise receive, the gold so sold by the Reserve Bank of India;

Provided that the licensed dealer shall not sell or otherwise dispose of any gold referred to in clause (ii) to any other licensed dealer but may—

(a) use such gold in the making, manufacturing, preparing or repairing of ornaments or articles or both;

(b) sell, deliver or transfer such gold not exceeding 100 grammes at a time to a certified goldsmith for the purpose of making, manufacturing, preparing or repairing of ornaments or articles or both.

[No. 8/78/F. No. 131/21/78-GC. II]
M. RAMACHANDRAN, Gold Control Administrator